भाकृअनुप-केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान
श्री गंगानगर राजमार्ग, बीछवाल, बीकानेर-334 006 (राज)
ICAR- CENTRAL INSTITUTE FOR ARID HORTICULTURE
Sri Ganganagar Highway, Beechwal- BIKANER-334006
e-mail- ciah@nic.in, www.ciah.icar.gov.in. Phone-0151-2250960 : Fax-2250145

Advisory-V
दिनांक: 08.06.2020

खरीफ मौसम में शुष्क क्षेत्रीय सब्जियाँ उगाने की किसानों को तकनीकी सलाह

हाल ही में भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान बीकानेर (राजस्थान) ने देश के गर्म शुष्क क्षेत्र जैसे पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा , पंजाब व गुजरात के गर्म शुष्क क्षेत्रों में सब्जियों जैसे काचरी, फूट ककड़ी, (काकड़िया), लौकी, धारीदार तुरई, ग्वारफली, चिकनी तुरई आदि की उगाने की उन्नत तकनीके विकसित की है। शुष्क क्षेत्र के किसान इन सब्जियों के उत्पादन की उन्नत तकनीकियों को अपनाकर खरीफ मौसम में इन्हें उगाकर अच्छा धन-लाभ कमा सकते हैं। इन सब्जियों के उत्पादन की तकनीकीयों के प्रमुख बिंदू निम्न प्रकार से है।

क्र. स.	सब्जी/ फसल का नाम	उन्नत किस्म	लगाने का समय	लगाने की विधि	बीज दर (प्रति हेक्टेयर)	खाद एवं उर्वरक (प्रति हेक्टेयर)	अन्य ध्यान देने योग्य बातें
1.	काचरी	ए.एच. के. -119	जून-जुलाई	कूड़ विधि/ फंवारा विधि*	1.0– 1.5 किग्रा.	• गोबर खाद – 200-250 क्वि. या 5-6 ट्राली भेड़-बकरी की मेंगनी खाद • नाईट्रोजन 80-100 किग्रा. • फास्फोरस 40-50 किग्रा. • पोटाश 40 किग्रा.	बीजों को बुवाई से पूर्व, संस्तुत रासायनिक दवाईयों या जैविक पदार्थों से उपचारित करके ही बुवाई करें। इन फसलों में कीट एवं व्याधि नियंत्रण के लिए "समन्वित कीट एवं व्याधि प्रबंधन" तरीका सर्वोत्तम रहता है। इनके प्रभावी नियंत्रण के लिए उचित फसल चक्र अपनाएँ, खेत व आस-पास की भूमि को खरपटवारों से मुक्त एवं साफ-सूथरा रखें। गर्मी के मौसम में जब तापक्रम अधिक हो तब खेतों की मिट्टी पलटने वाले
				नाली विधि/ बूंद-बूंद सिंचाई विधि*	500 – 700 ग्राम		
2.	फूट ककड़ी (काकड़िया)	ए.एच. एस. -82	जून-जुलाई	कूड़ विधि/ फंवारा विधि	1.5 – 2.0 किग्रा.	• गोबर खाद – 200-250 क्वि. या 5-6 ट्राली भेड़-बकरी की मेंगनी खाद • नाईट्रोजन 80-100 किग्रा. • फास्फोरस 40-50 किग्रा. • पोटाश 40 किग्रा.	
				नाली विधि/ बूंद-बूंद सिंचाई विधि	1.5 – 1.25 किग्रा.		
3.	लौकी	थार समृद्धि	जून-जुलाई	नाली विधि/ बूंद-बूंद सिंचाई विधि/ फंवारा विधि	2.0 – 2.5 किग्रा.	• गोबर खाद – 200-250 क्वि. या 5-6 ट्राली भेड़-बकरी की मेंगनी खाद • नाईट्रोजन 80-100 किग्रा.	

						• फास्फोरस 40-50 किग्रा. • पोटाश 40 किग्रा.	हल से गहरी जुताई कर दें।रासायनिक कीटनाशी दवाओं के अलावा नीम की सूखी पत्ती व निंबोली का बारीक पाउडर बनाकर खेत के मिट्टी में मिलाएँ और इनका घोल बनाकर खड़ी फसल पर भी छिड़क सकतें है। रोग ग्रस्त पौधे को समय समय पर निकालकर उन्हें नष्ट कर दें। उचित जल-निकास की एवं उचित नमीं संरक्षण की व्यवस्था भी करें।
4.	धारीदार तुरई	थार करणी	जून-जुलाई	नाली विधि/ बूंद-बूंद सिंचाई विधि	2.0 – 2.5 किग्रा.	• 20-25 टन सड़ी गली गोबर की खाद • नाईट्रोजन 80 किग्रा. • फास्फोरस 60 किग्रा. • पोटाश 60 किग्रा.	
5.	चिकनी तुरई	थार तपिश	जून-जुलाई	नाली विधि/ बूंद-बूंद सिंचाई विधि	2.0 – 2.5 किग्रा.	• 20-25 टन सड़ी गली गोबर की खाद • नाईट्रोजन 80 किग्रा. • फास्फोरस 60 किग्रा. • पोटाश 60 किग्रा.	
6.	ग्वारफली	थार भादवी	जून-जुलाई	छिड़काव विधि /	20 – 25 किग्रा.	• 20-25 टन सड़ी गली गोबर की खाद • नाईट्रोजन 80 किग्रा. • फास्फोरस 60 किग्रा. • पोटाश 60 किग्रा.	• बुवाई से पहले उचित बीज उपचार करें • खेत की साफ-सफाई व उचित खरपतवार नियंत्रण करें।
				पंक्ति विधि	14 – 16 किग्रा.		

***** देश के गर्म-शुष्क क्षेत्रों में वर्षा की अनिश्चितता रहती है। अत: किसानों के सलाह दी जाती है कि समय पर वर्षा न होने या वर्षा अंतराल लंबा होने पर आवश्यकतानुसार उपरोक्त सब्जियों को समय- समय उचित तरीके से जीवनदाई सिंचाई करनी चाहिए।